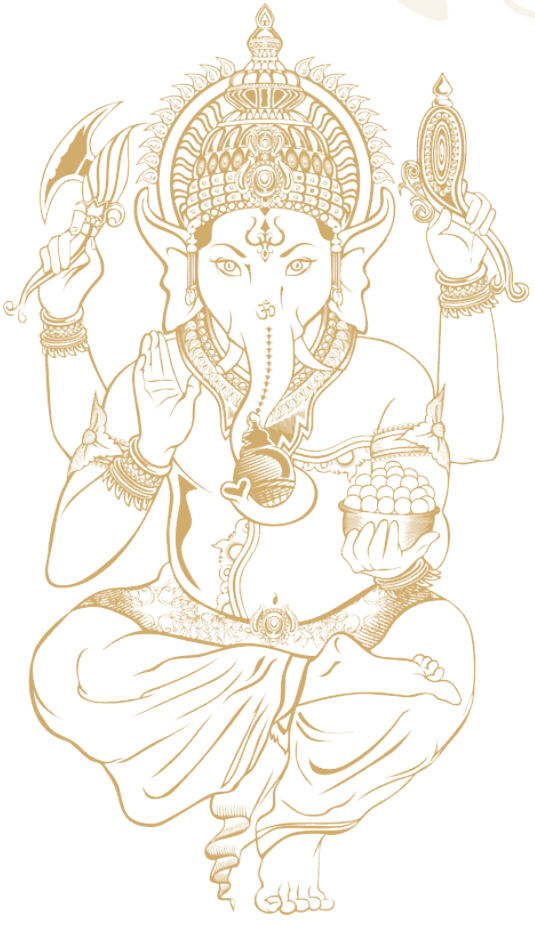

Mr.gudiya

27 Jul 2025

04:00 AM

Deoband

Model: web-freekundliweb

Order No: 119559103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26-27/07/2025**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:01:30 घटी
स्थान	**Deoband**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	77:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:40:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:34 घंटे
साम्पातिक काल	00:00:08 घंटे
सूर्योदय	05:35:24 घंटे
सूर्यास्त	19:15:49 घंटे
दिनमान	13:40:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:57:57 कर्क
लग्न के अंश	18:35:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:35:22	314:49:57	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	09:57:57	00:57:21	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	06:38:42	13:03:15	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	28:58:54	00:36:37	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध	व	अ	कर्क	18:23:42	00:38:03	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	16:24:18	00:13:03	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	00:54:43	01:08:57	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मीन	07:33:37	00:01:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:49:12	00:02:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:49:12	00:02:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:32:58	00:01:58	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:49:55	00:00:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:20:07	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	05:49:20	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:55

लग्न-चलित

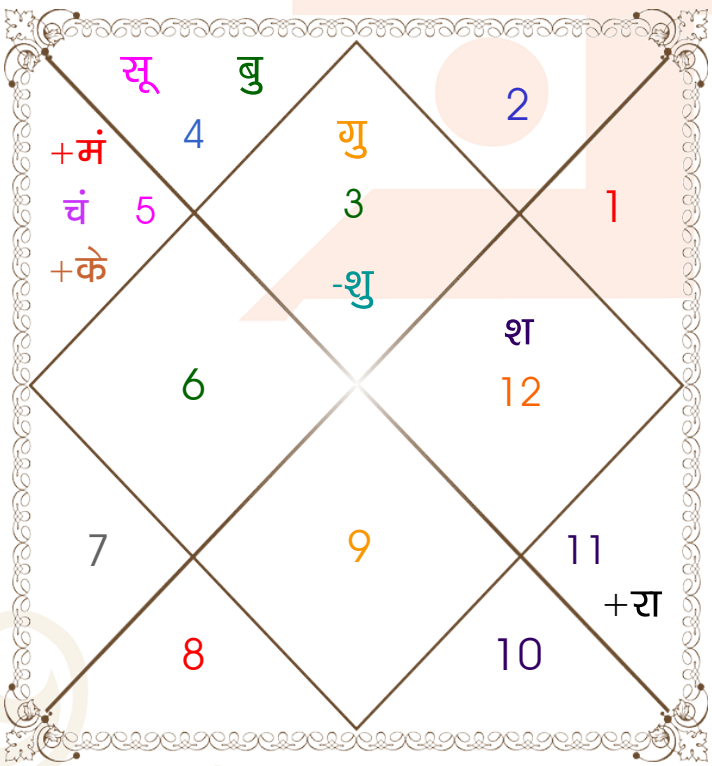

चन्द्र कुंडली

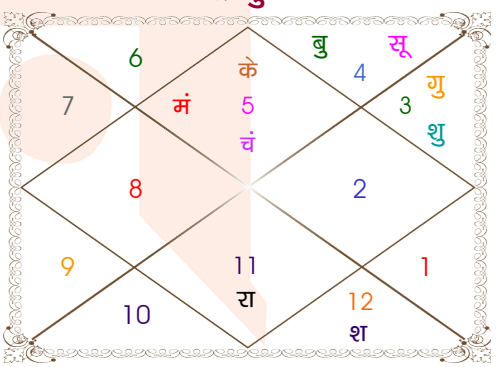

नवमांश कुंडली

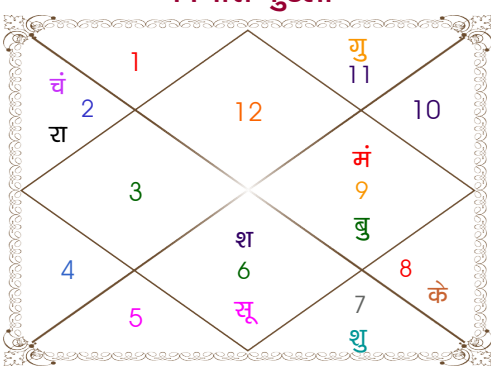

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 4 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/07/2025		29/01/2029		29/01/2049		30/01/2055		29/01/2065	
29/01/2029		29/01/2049		30/01/2055		29/01/2065		30/01/2072	
	00/00/0000	शुक्र	31/05/2032	सूर्य	19/05/2049	चंद्र	30/11/2055	मंगल	27/06/2065
	00/00/0000	सूर्य	31/05/2033	चंद्र	17/11/2049	मंगल	30/06/2056	राहु	16/07/2066
	00/00/0000	चंद्र	30/01/2035	मंगल	25/03/2050	राहु	30/12/2057	गुरु	22/06/2067
	00/00/0000	मंगल	31/03/2036	राहु	17/02/2051	गुरु	01/05/2059	शनि	31/07/2068
	27/07/2025	राहु	01/04/2039	गुरु	06/12/2051	शनि	29/11/2060	बुध	28/07/2069
राहु	17/01/2026	गुरु	30/11/2041	शनि	17/11/2052	बुध	01/05/2062	केतु	24/12/2069
गुरु	24/12/2026	शनि	29/01/2045	बुध	24/09/2053	केतु	30/11/2062	शुक्र	23/02/2071
शनि	02/02/2028	बुध	30/11/2047	केतु	29/01/2054	शुक्र	31/07/2064	सूर्य	01/07/2071
बुध	29/01/2029	केतु	29/01/2049	शुक्र	30/01/2055	सूर्य	29/01/2065	चंद्र	30/01/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/01/2072		29/01/2090		30/01/2106		30/01/2125		30/01/2142	
29/01/2090		30/01/2106		30/01/2125		30/01/2142		00/00/0000	
राहु	12/10/2074	गुरु	19/03/2092	शनि	02/02/2109	बुध	29/06/2127	केतु	29/06/2142
गुरु	07/03/2077	शनि	30/09/2094	बुध	13/10/2111	केतु	25/06/2128	शुक्र	29/08/2143
शनि	12/01/2080	बुध	05/01/2097	केतु	21/11/2112	शुक्र	26/04/2131	सूर्य	04/01/2144
बुध	31/07/2082	केतु	12/12/2097	शुक्र	22/01/2116	सूर्य	01/03/2132	चंद्र	04/08/2144
केतु	19/08/2083	शुक्र	13/08/2100	सूर्य	03/01/2117	चंद्र	01/08/2133	मंगल	31/12/2144
शुक्र	18/08/2086	सूर्य	01/06/2101	चंद्र	04/08/2118	मंगल	29/07/2134	राहु	28/07/2145
सूर्य	13/07/2087	चंद्र	01/10/2102	मंगल	13/09/2119	राहु	14/02/2137		00/00/0000
चंद्र	11/01/2089	मंगल	07/09/2103	राहु	20/07/2122	गुरु	23/05/2139		00/00/0000
मंगल	29/01/2090	राहु	30/01/2106	गुरु	30/01/2125	शनि	30/01/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।